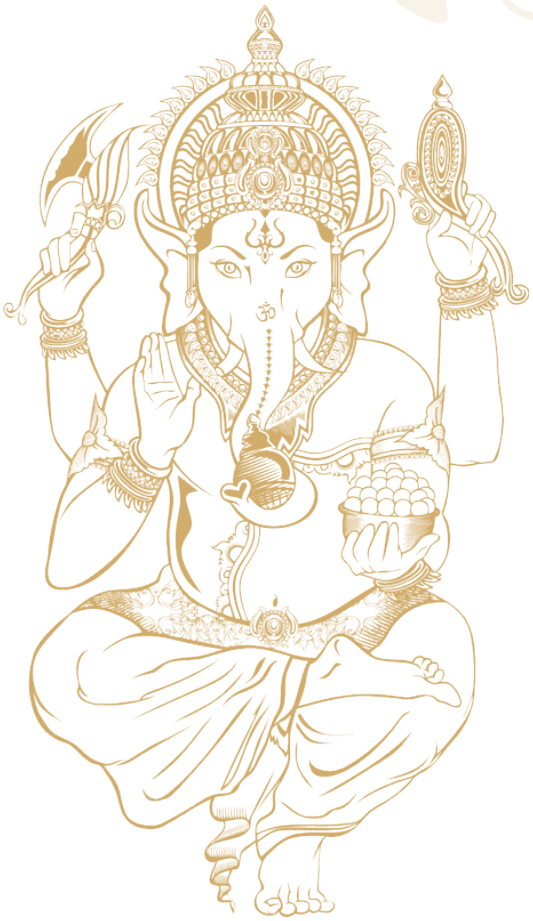

Jagdeep Sharma Jind Neb

20 Apr 1984

11:11 PM

Jind

Model: web-freekundliweb

Order No: 121760705

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/04/1984**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:11:00 घंटे**
इष्ट	43:13:49 घटी
स्थान	**Jind**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	76:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:46:28 घंटे
वेलान्तर	00:01:06 घंटे
साम्पातिक काल	12:42:26 घंटे
सूर्योदय	05:53:28 घंटे
सूर्यास्त	18:53:55 घंटे
दिनमान	13:00:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	07:10:55 मेष
लग्न के अंश	03:11:22 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	03:11:22	326:39:51	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
सूर्य			मेष	07:10:55	00:58:32	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	उच्च राशि
चंद्र			धनु	10:56:58	12:51:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल	व		वृश्चि	03:15:56	00:11:27	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	मेष	09:36:07	00:39:42	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			धनु	19:12:01	00:01:42	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			मीन	22:15:07	01:13:53	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शनि	व		तुला	20:23:19	00:04:21	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	उच्च राशि
राहु			वृष	13:28:18	00:01:46	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	13:28:18	00:01:46	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	19:27:50	00:01:36	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप	व		धनु	07:42:09	00:00:35	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	07:06:56	00:01:42	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कन्या	17:54:08	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:59

लग्न-चलित

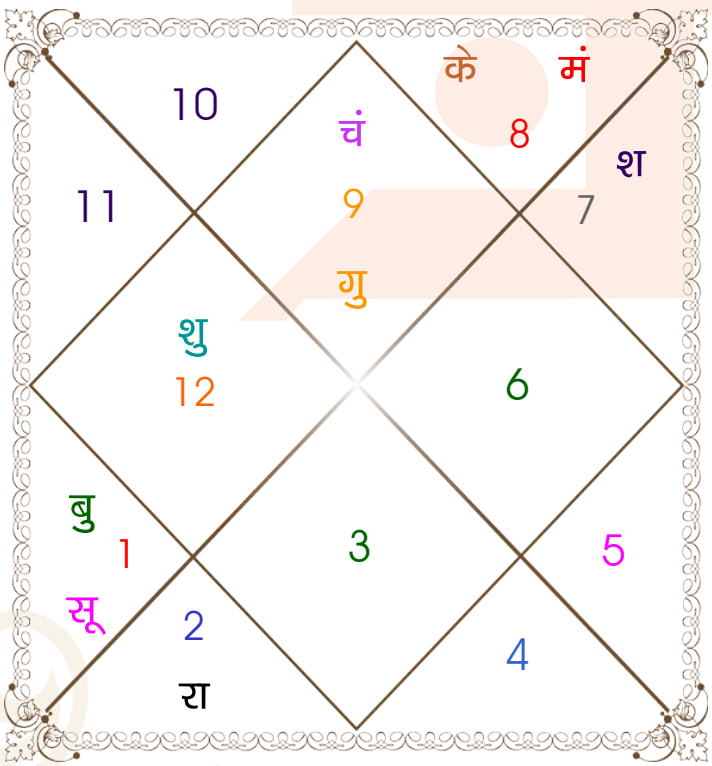

चन्द्र कुंडली

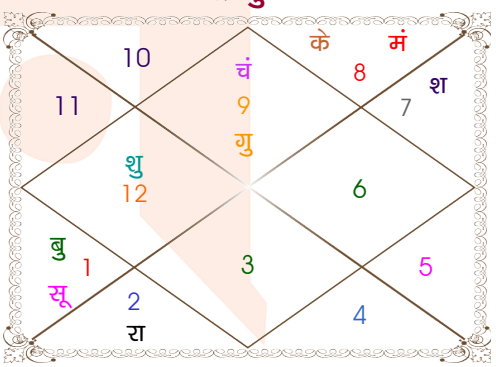

नवमांश कुंडली

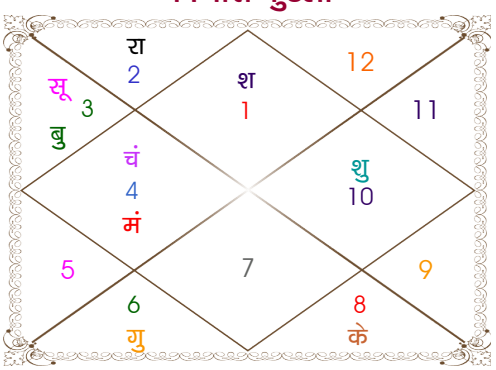

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 3 मास 0 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/04/1984		22/07/1985		22/07/2005		22/07/2011		22/07/2021	
22/07/1985		22/07/2005		22/07/2011		22/07/2021		21/07/2028	
	00/00/0000	शुक्र	20/11/1988	सूर्य	08/11/2005	चंद्र	21/05/2012	मंगल	18/12/2021
	00/00/0000	सूर्य	20/11/1989	चंद्र	10/05/2006	मंगल	21/12/2012	राहु	05/01/2023
	00/00/0000	चंद्र	22/07/1991	मंगल	15/09/2006	राहु	21/06/2014	गुरु	12/12/2023
	00/00/0000	मंगल	20/09/1992	राहु	09/08/2007	गुरु	21/10/2015	शनि	20/01/2025
	00/00/0000	राहु	21/09/1995	गुरु	28/05/2008	शनि	22/05/2017	बुध	17/01/2026
	00/00/0000	गुरु	22/05/1998	शनि	10/05/2009	बुध	21/10/2018	केतु	15/06/2026
	20/04/1984	शनि	22/07/2001	बुध	16/03/2010	केतु	22/05/2019	शुक्र	15/08/2027
शनि	24/07/1984	बुध	21/05/2004	केतु	22/07/2010	शुक्र	20/01/2021	सूर्य	21/12/2027
बुध	22/07/1985	केतु	22/07/2005	शुक्र	22/07/2011	सूर्य	22/07/2021	चंद्र	21/07/2028

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/07/2028		22/07/2046		22/07/2062		22/07/2081		22/07/2098	
22/07/2046		22/07/2062		22/07/2081		22/07/2098		00/00/0000	
राहु	03/04/2031	गुरु	08/09/2048	शनि	25/07/2065	बुध	18/12/2083	केतु	18/12/2098
गुरु	27/08/2033	शनि	22/03/2051	बुध	03/04/2068	केतु	14/12/2084	शुक्र	17/02/2100
शनि	03/07/2036	बुध	27/06/2053	केतु	13/05/2069	शुक्र	15/10/2087	सूर्य	25/06/2100
बुध	20/01/2039	केतु	03/06/2054	शुक्र	12/07/2072	सूर्य	21/08/2088	चंद्र	24/01/2101
केतु	08/02/2040	शुक्र	01/02/2057	सूर्य	24/06/2073	चंद्र	20/01/2090	मंगल	22/06/2101
शुक्र	08/02/2043	सूर्य	20/11/2057	चंद्र	23/01/2075	मंगल	17/01/2091	राहु	11/07/2102
सूर्य	02/01/2044	चंद्र	22/03/2059	मंगल	03/03/2076	राहु	06/08/2093	गुरु	17/06/2103
चंद्र	03/07/2045	मंगल	26/02/2060	राहु	08/01/2079	गुरु	12/11/2095	शनि	21/04/2104
मंगल	22/07/2046	राहु	22/07/2062	गुरु	22/07/2081	शनि	22/07/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 3 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।